भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1604

जिसका उत्तर दिनांक 03.08.2023 को दिया जाना है

परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के अधिकारियों को प्रशिक्षण

1604 श्री आर. गिरिराजन :

क्या **प्रधानमंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या एनपीसीआईएल को न केवल इंजीनियरों बल्कि सीमेंट मिक्सर, वेल्डर और ग्राउंडब्रेकिंग से लेकर कमीशनिंग तक शामिल दर्जनों अन्य पेशेवरों के साथ अपने कार्यबल के कौशल में गिरावट की समस्या का सामना करना पड़ रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार की उस पर क्या प्रतिक्रिया है;

(ग) क्या सरकार की देश में परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के अधिकारियों और कर्मचारियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए अपने सभी परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में डिजिटल ट्विन्स प्रौद्योगिकी और वर्चुअल रिएलिटि प्रौद्योगिकी का उपयोग करने की कोई योजना है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेंद्र सिंह) :

(क) जी, नहीं।

(ख) उपरोक्त 'क' के मद्देनजर प्रश्न नहीं उठता।

(ग) तथा (घ) वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। परमाणु ऊर्जा नियामक परिषद (एईआरबी) द्वारा लाइसेंस प्रदान किए जाने से पहले, मुख्य प्रचालन कर्मियों को संयंत्र सिमुलेटरों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण से गुजरना पड़ता है। विभिन्न श्रेणियों के कर्मियों के लिए सभी प्रशिक्षण कार्यक्रम नियामक आवश्यकताओं और अंतर्राष्ट्रीय पद्धतियों के अनुसार संचालित किए जाते हैं।

* * * * *